1.

अटलांटिक महासागर की तलीय आकृतियाँ (Bottom Relief of The Atlantic Ocean) :—

- आकार एवं विस्तार (Shape and Extent) :-

इस महासागर की सामान्य रूपरेखा अंग्रेजी वर्णमाला के S अक्षर के समान है, क्योंकि इसके पूर्व में जहाँ अफ्रीका का सहारा तट पश्चिम की ओर उभरा हुआ है, वहीं दक्षिणी अमेरिका का उत्तरी तट कैरीबियन सागर में दबा हुआ है।

इस महासागर का विस्तार उत्तरी ध्रुवसागर से दक्षिण में अण्टार्कटिका तक है। इस महासागर का विस्तार समस्त पृथ्वी के धरातल के 16% भाग पर है। इसका क्षेत्रफल प्रशान्त महासागर के क्षेत्रफल का लगभग 50% है। इसका क्षेत्रफल 821 लाख वर्ग किलोमीटर है। इस महासागर की चौड़ाई विषुवत रेखा पर कम होती है। विषुवत रेखा पर इसकी लम्बाई केवल 2540 किलोमीटर है। उत्तर से दक्षिण की ओर लम्बाई अधिक है। 35° उत्तरी अक्षांश

अक्षांश के निकट यह महासागर 5,920 किमी चौड़ा है। ध्रुवों की ओर इस महासागर की चौड़ाई कम होती जाती है। इस महासागर की औसत गहराई 3,930 मीटर है। इस महासागर के विशिष्ट आकार एवं विस्तार को देखने से ऐसा लगता है कि इसके पूर्व तथा पश्चिम में स्थित महाद्वीप सुदूर अतीत में एक-दूसरे से सम्बद्ध थे। अटलांटिक होणी विषुवत रेखा के पास संकरी हो गई है। दक्षिणी अटलांटिक बेसिन दक्षिणी महासागर से मिल जाती है, जब कि ग्रीनलैंड तथा आइसलैंड के कारण उत्तरी अटलांटिक परिबद्ध हो जाती है।

महत्व (Importance):—

अटलांटिक महासागर के तटवर्ती देशों में अधिकांश अत्यधिक विकसित एवं समृद्ध हैं, अतः उनके अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए इस महासागर का विशेष महत्व है। संयुक्त राज्य अमेरिका तथा कनाडा जहाँ पश्चिमी तट के समृद्ध देश हैं वहीं पूर्वी तट पर ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी तथा अन्य यूरोपीय देश हैं जो अति-

विकसित देश है। इसलिए इस महासागर का सर्वाधिक अध्ययन किया गया है। इसके अध्ययन एवं विस्तृत जानकारी हेतु इस महासागर के तटों पर अनेक अभियान भी चलाये। इस महासागर की अन्य विशेषताओं के अध्ययन के साथ-साथ इसके नितल की बनावट के सम्बंध में भी अधिकाधिक जानकारी भी प्राप्त की जा रही है। आज भी आधुनिकतम उपकरणों के द्वारा इस महासागर के सम्बन्ध में नित्य ~~~~ नवीन जानकारी प्राप्त की जा रही है।

- अटलांटिक महासागर के नितल का उच्चावच (Relief features of the bottom of Atlantic Ocean) :—

अटलांटिक महासागर के नितल का उच्चावच अत्यधिक विभिन्नतापूर्ण है। इसके नितल उच्चावच में निम्न स्वरूप देखने को मिलते हैं—

(i) महाद्वीपीय मग्नतट (Continental Shelf)

(ii) मध्य अटलांटिक कटक (Mid-Oceanic Ridges)
(iii) द्रोणी या बेसिन
(iv) महासागरीय गर्त्त
(v) सीमान्त तश्वती सागर
(vi) द्वीप (Island)

Next Class:
अटलांटिक महासागर के नितल का उच्चावच
(Relief features of the bottom of Atlantic Ocean)
In Detail.